Govt.of MadhyaPradesh

मध्य प्रदेश शासन

Office of the Field Director

Panna Tiger Reserve

Panna, Madhya Pradesh, (India)

Phone No. +917732-252135 (O) Fax, +917732-252120

E-mail: dirpannaNP@mpforest.org Website: www.pannatigerreserve.in

Panna Tiger Reserve

पन्ना टाईगर रिजर्व

प्रेस नोट

पन्ना बाघ पुनर्स्थापना योजना के संस्थापक बाघों में से टी–4 अब नहीं रही।

पन्ना बाघ पुनर्स्थापना योजना के तहत संस्थापक बाघ के रूप में कान्हा टाइगर रिजर्व से 27.03.2011 को अनाथ होने के बावजूद जंगली बनाने के प्रयोग के लिए पन्ना टाइगर रिजर्व में लाई गई टी–4 अब नहीं रही। टी–4 के अनुश्रवण दल के द्वारा दी गई सूचना के अनुसार दिनांक 18.09.2014 की शाम 6.45 बजे के आस–पास टी–4 का मॉर्टलिटी रेडियो सिगल प्राप्त हुआ। इसे आधार पर दिनांक 19.09.2014 को सुबह की गई सर्चिंग में मड़ला परिक्षेत्र के बीट पठान झिरिया में टी–4 बाघिन मृत पाई गई। नियमानुसार मौके पर निरीक्षण व जांच के उपरान्त रेडियो कालर निकाला गया। प्राथमिक तौर पर टी–4 की मृत्यु का कारण अप्राकृतिक नहीं रहा। पन्ना टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सक डा0 संजीव कुमार गुप्ता के द्वारा पोस्ट मार्टम किया गया। तत्पश्चात नियमानुसार दाह संस्कार किया गया। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली के प्रतिनिधि के रूप में श्री राजेश दीक्षित, एडवोकेट पन्ना साथ रहे। उल्लेखनीय बात यह है कि टी–4 एक ऐसी अनाथ बाघिन थी, जिनके मां की मृत्यु ज़ब उनकी उम्र डेढ़ माह थी, तभी हो गई थी। तत्पश्चात उन्हें कान्हा प्रबन्धन के द्वारा पाल पोस कर बड़ा किया गया। प्रयोगात्मक तौर पर टी–4 को मानव के सम्पर्क में पाला पोसा गया। इस बाघ को दोबारा जंगली बनाने के उद्देश्य से पन्ना लाया गया था जो कि जंगली बनने के साथ–साथ 03 बार शावकों को जन्म दिया। आज की स्थिति में इनकी तीसरी संतान 14 माह की है, जो लगभग मां से अलग होकर स्वच्छंद विचरण करने की स्थिति में पहुंच गये हैं। पन्ना टाइगर रिजर्व प्रबन्धन के द्वारा टी–4 को श्रद्धांजली देते हुए राष्ट्रीय गान के साथ अन्तिम संस्कार किया गया।

"जय हिन्द"

दिनांक – 19.09.2014

क्षेत्र संचालक
पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना